खबर संक्षेप

बोर्ड पैटर्न पर कक्षा 5वीं और 8वीं की परीक्षायें आज से प्रारंभ

सतना। बोर्ड पैटर्न पर कक्षा 5वीं और 8वीं की परीक्षायें 20 फरवरी से 26 फरवरी तक सतना जिले के 246 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जायेगी।राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए निर्देश जारी किये गये हैं। सतना जिले में कुल 246 परीक्षा केन्द्र बनाये जाकर इनमें केन्द्राध्यक्ष,सहायक केन्द्राध्यक्ष की नियुक्ति की जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि सतना जिले में कुल 246 परीक्षा केन्द्र निर्धारित किये गये है। जिनमें सभी केन्द्रों के लिए केन्द्राध्यक्ष, सहायक केन्द्राध्यक्ष नियुक्त कर आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया है। सतना जिले में कुल 65 जन शिक्षा केन्द्रों के अंतर्गत 2331 शालाओं के छात्रों के लिए 246 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है। बोर्ड पैटर्न की परीक्षा में कक्षा 5वीं 26574 परीक्षार्थी और कक्षा 8वीं की परीक्षा में 23555 परीक्षार्थी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि इन परीक्षाओं में अनुत्तीर्ण या निम्न रिजल्ट लाने वाले विद्यार्थियों के लिए माह जुलाई 2026 में द्वितीय परीक्षा भी होगी। जिनमें रिजल्ट का सुधार किया जा सकेगा।

मैहर में खुलेगा पॉलिटेक्निक कॉलेज: विधायक की पहल सफल

मैहर। मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी के प्रयासों से अब मैहर के युवाओं को तकनीकी शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। विधानसभा सत्र के दौरान विधायक ने क्षेत्र में इंजीनियरिंग कॉलेज की मांग प्रमुखता से उठाई थी। इस पर तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने मैहर में पॉलिटेक्निक कॉलेज खोलने की व्यवहारिक सहमति प्रदान की है। विधायक ने बताया कि इसके लिए भूमि चयन और अन्य प्रशासनिक कार्यवाही शुरू कर दी गई है। विधायक चतुर्वेदी ने कहा कि वर्तमान में मैहर के छात्रों, विशेषकर बालिकाओं को तकनीकी शिक्षा के लिए सतना या रीवा जाना पड़ता था,जिससे उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। पॉलिटेक्निक कॉलेज खुलने से स्थानीय स्तर पर रोजगारोन्मुखी शिक्षा उपलब्ध होगी।

नगर निगम में ब्यूरोक्रेसी और सियासत की जंग में 'बंधक' बना विकास

सतना। विंध्य के प्रमुख औद्योगिक शहर सतना में इन दिनों विकास की रफ्तार पर 'फुल स्टॉप' लग गया है। नगर निगम कमिश्नर शेर सिंह मीणा और महापौर योगेश ताम्रकार के बीच का शीतयुद्ध अब खुले संघर्ष में बदल चुका है।हालत यह है कि शहर की सरकार और प्रशासन के बीच की यह खाई अब जनता के लिए जी का जंजाल बन गई है।

फाइलों का 'जाल' और ठप होता शहर

हाल ही में महापौर योगेश ताम्रकार ने दो दर्जन से अधिक पार्षदों के साथ कलेक्टर सतीश कुमार एस को ज्ञापन सौंपकर प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार किया। महापौर का सीधा आरोप है कि कमिश्नर मीणा सैकड़ों महत्वपूर्ण फाइलों को दबाए बैठे हैं। बजट होने के बावजूद हस्ताक्षरों की कमी के कारण बुनियादी सुविधाएं दम तोड़ रही हैं। विकास कार्यों की इसी अनदेखी से नाराज होकर महापौर ने पिछले दिनों 'मेयर इन काउंसिल' की बैठक तक निरस्त कर दी थी।

दिल्ली-भोपाल तक पहुंची खींचतान

सूत्रों की मानें तो यह विवाद अब सतना की भौगोलिक सीमाओं को लांघ चुका है। मसूरी से ट्रेनिंग कर लौटते ही आईएएस मीणा ने भोपाल में प्रिंसिपल सेक्रेटरी से मुलाकात कर शहर की स्थिति और विवादित फाइलों का ब्यौरा सौंप दिया है। चर्चा है कि वे अब इस 'पॉलिटिकल डेडलॉक' से तंग आकर सतना से तबादले की इच्छा जता चुके हैं।

बजट की तलाश में महापौर

दूसरी ओर,महापौर योगेश ताम्रकार शहर के विकास के लिए सीधा बजट लाने के उद्देश्य से भोपाल रवाना हो गए हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव के पाले में अब यह गेंद है कि वे इस प्रशासनिक गतिरोध को कैसे सुलझाते हैं।

विपक्ष के तीखे सवाल

निगम के भीतर मचे इस घमासान में कांग्रेस ने भी मोर्चा खोल दिया है। विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा ने 'गौरव दिवस' के खर्चों और छपवाई गई मैगजीन के औचित्य पर सवाल उठाते हुए इसे विधानसभा में गूंजने का मुद्दा बना दिया है। विपक्ष का आरोप है कि एक तरफ शहर गड्ढों और गंदगी से जूझ रहा है,वहीं दूसरी ओर जनता की गाढ़ी कमाई को आयोजनों और आत्मप्रशंसा में उड़ाया जा रहा है।

पिसती जनता,सुलगते सवाल

सतना की जनता समय पर संपत्ति कर और जलकर का भुगतान करती है,लेकिन बदले में उन्हें क्या मिल रहा है? जवाबदेही किसकी? क्या एक अधिकारी पूरे तंत्र को पंगु बना सकता है या जनप्रतिनिधियों के पास समन्वय की कमी है? संवादहीनता का शिकार जब लोक सेवक और जनसेवक एक ही सिक्के के दो पहलू हैं,तो उनके बीच का अहंकार शहर की बलि क्यों ले रहा है? सतना आज एक ऐसी चौराहे पर खड़ा है जहाँ सत्तापक्ष और नौकरशाही के बीच संवाद पूरी तरह खत्म हो चुका है। यदि मुख्यमंत्री स्तर पर हस्तक्षेप कर इस 'डेडलॉक' को नहीं तोड़ा गया,तो आने वाले समय में शहर की स्थिति और भयावह हो सकती है।

पूर्व सरपंच के बेटे का संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिला, हत्या की आशंका

मैहर। हरदासपुर क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब पूर्व सरपंच सुखेंद्र सिंह के 26 वर्षीय पुत्र देवेश सिंह का शव उनकी अपनी हार्डवेयर की दुकान में फंदे से लटका मिला। बुधवार रात जब परिजनों का देवेश से संपर्क नहीं हो पाया,तो वे दुकान पहुंचे जहां उन्हें यह भयावह दृश्य देखने को मिला। परिजनों ने इसे आत्महत्या मानने से इनकार कर दिया है और गांव के ही कुछ लोगों पर पुरानी रंजिश के चलते हत्या कर शव लटकाने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए कोतवाली थाना प्रभारी अनिमेष द्विवेदी ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल को सील कर दिया। साक्ष्यों की सुरक्षा के लिए रात में पुलिस बल तैनात रहा और अगले दिन फोरेंसिक टीम की मौजूदगी में शव को उतारा गया। पुलिस दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस प्रशासन ने ग्रामीणों और परिजनों को निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया है।

नागौद पुलिस की बड़ी कामयाबी: हत्या का इनामी आरोपी गिरफ्तार

सतना। जिले की नागौद पुलिस ने ग्राम अटरा में हुए चर्चित हत्याकांड के आखिरी फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। दिसंबर 2025 में पुरानी रंजिश को लेकर द्वारिका सिंह की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी,जिसमें कुल 11 आरोपी शामिल थे। पुलिस पहले ही 10 आरोपियों को जेल भेज चुकी थी,लेकिन एक मुख्य आरोपी अंकित सिंह उर्फ प्रमोद सिंह 21 वर्ष फरार चल रहा था,जिस पर 10,000 रुपये का इनाम घोषित था। थाना प्रभारी अशोक पाण्डेय के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर अंकित सिंह को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया,जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। इस पूरी कार्यवाही में उपनिरीक्षक राजेंद्र प्रसाद वर्मा और प्रधान आरक्षक आर.के.कुशवाहा सहित पूरी टीम की सराहनीय भूमिका रही। इस गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस ने अटरा हत्याकांड के सभी आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है।

आदिवासियों की जमीन हड़पकर अल्ट्राटेक को बेचने का मामला: ईओडब्ल्यू ने दर्ज की एफ आई आर

मैहर। जिले में एक बड़ा भूमि घोटाला सामने आया है,जहां लगभग 3,500 हेक्टेयर आदिवासी भूमि को फर्जी दस्तावेजों के जरिए हड़प लिया गया।आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने इस मामले में

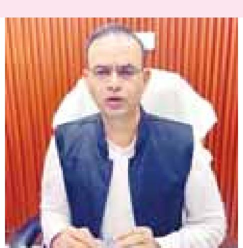

पटवारी और बिचौलियों सहित कई लोगों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किया है। आरोप है कि ग्राम भदनपुर के आदिवासी किसान रामसिंह गोंड की बेशकीमती जमीन को बिना उनकी जानकारी के वारिसाना दर्ज कर बिचौलियों के नाम कर दिया गया और बाद में इसे अल्ट्राटेक सीमेंट को करीब 2.50 करोड़ रुपये में बेच दिया गया। जांच में पाया गया कि वर्ष 2012-13 में राजस्व अभिलेखों में हेरफेर कर फर्जी ऋण पुस्तिकाएं बनाई गई थीं। असली भूमि मालिक को इस सौदे की कोई राशि प्राप्त नहीं हुई। ईओडब्ल्यू ने तत्कालीन पटवारी अशोक सिंह,बिचौलिये दीपक लालवानी,गोपाल आसवानी और अन्य के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। विभाग का कहना है कि यह एक संगठित गिरोह का काम हो सकता है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

एकेएस विश्वविद्यालय में बायो क्रिएशन 2026 का भव्य शुभारंभ।

सतना जिले सहित विभिन्न महाविद्यालयों के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति

सतना। एकेएस विश्वविद्यालय,सतना के फैकल्टी ऑफ लाइफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय समिट बायो क्रिएशन 2026 बायो इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप समिट" का शुभारंभ 19 फरवरी 2026 को विश्वविद्यालय के केंद्रीय सभागार में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो.एस.पी.गौतम रहे। मंचासीन अतिथियों में डॉ.शेखर मिश्रा,प्रो.आर.एस.त्रिपाठी, प्रो. जी. सी.मिश्रा,डॉ.महेंद्र कुमार तिवारी,डॉ.कमलेश चौरे एवं डॉ.अश्विनी ए.बाऊ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ.माही चौरे द्वारा किया गया।

प्रो.गौतम का प्रेरक उद्बोधन

अपने उद्बोधन में प्रो.एस.पी.गौतम ने कहा कि जैव-प्रौद्योगिकी केवल प्रयोगशाला तक सीमित विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक विकास की सशक्त धुरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि नवाचार तभी सार्थक है जब वह समाज की वास्तविक समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करे।उन्होंने बायोटेक्नोलॉजी का इकोनामी एनवायरनमेंट एंड एंप्लॉयमेंट बायो ई 3 की अवधारणा का उल्लेख करते हुए बताया कि जैव-आधारित अनुसंधान से पर्यावरण संरक्षण,रोजगार सृजन और आर्थिक सशक्तिकरण-तीनों को साथ लेकर आगे बढ़ा जा सकता है। सतना जिले सहित विभिन्न महाविद्यालयों के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। बायो क्रिएशन 2026 का यह शुभारंभ विश्वविद्यालय में नवाचार और बायो-उद्यमिता की नई ऊर्जा का प्रतीक बनकर उभरा।

साकेत एक्सप्रेस से लापता यात्री का नदी में मिला शव, पुलिस ने दिखाई तत्परता

सतना। मुंबई से प्रयागराज जा रहे यात्री धीरज पांडेय के लापता होने के मामले का दुखद अंत हुआ। 16 फरवरी को प्रार्थी पवन पांडेय ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके भाई साकेत एक्सप्रेस से यात्रा के दौरान कटनी-सतना के बीच लापता हो गए हैं। सूचना पर त्वरित संज्ञान लेते हुए रेलवे पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने तलाशी अभियान शुरू किया। यात्रियों से मिले इनपुट के आधार पर यह आशंका जताई गई कि यात्री ट्रेन के खंभे से टकराकर सतना नदी के पास गिरा हो सकता है। परिस्थितियों की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ और गोताखोरों की टीम बुलाई गई। 17 फरवरी को सतना नदी में मोटर बोट के जरिए चलाए गए सघन तलाशी अभियान के बाद धीरज पांडेय का शव बरामद कर लिया गया। शव का पोस्टमार्टम जिला चिकित्सालय में डॉ. शरद दुबे द्वारा किया गया। जीआरपी और आरपीएफ की सक्रियता के कारण मृतक के पास मौजूद सोने की चेन और अंगूठी सुरक्षित बरामद कर परिजनों को सौंप दी गई। मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए पुलिस ने निजी एम्बुलेंस की व्यवस्था कर शव को उनके गृह ग्राम रवाना किया।

24 फरवरी को विधानसभा घेराव के लिए जिला कांग्रेस की बैठक 21 को

मैहर। किसानों की आवाज़ बुलंद करने भोपाल कूच करने के लिए जिला कांग्रेस कार्यालय में 24 फरवरी को भोपाल में प्रस्तावित विधानसभा घेराव कार्यक्रम को लेकर महत्वपूर्ण बैठक 21 फरवरी को आयोजित की गई। बैठक का आयोजन जिला कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेश घई के नेतृत्व में दोपहर 2:00 बजे किया गया जिसमें पार्टी पदाधिकारी,ब्लॉक अध्यक्ष,महिला कांग्रेस प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहेगें। बैठक में बताया गया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में 24 फरवरी 2026,मंगलवार को प्रातः 11बजे भोपाल में विधानसभा का घेराव किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों की समस्याओं, प्रदेश में बढ़ती महंगाई,आर्थिक बदहाली तथा अन्य जनहित के मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ आवाज़ बुलंद करना है। जिला अध्यक्ष धर्मेश घई

ने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में भोपाल पहुंचकर आंदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसानों की उपेक्षा बर्दाश्त नहीं की जाएगी और उनके हक की लड़ाई सड़क से लेकर विधानसभा तक लड़ी जाएगी। बैठक में भोपाल रवाना होने की रणनीति,वाहन व्यवस्था,समय निर्धारण एवं जिम्मेदारियों का विभाजन किया गया। पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र से कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर 24 फरवरी को भोपाल पहुंचने और विधानसभा घेराव कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया।

रेलवे प्रीमियर लीग: आरपीएफ और जीआरपी ने सतना कैरिज बैगन को हराकर फाइनल में बनाई जगह

सतना।

रेलवे मनोरंजन सदन के तत्वावधान में आयोजित 'रेलवे प्रीमियर लीग' का पहला सेमीफाइनल मुकाबला आरपीएफ और जीआरपी बनाम सतना कैरिज बैगन के बीच खेला गया। आरपीएफ और जीआरपी के कप्तान वीरेंद्र यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। सतना कैरिज बैगन की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 166रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। टीम की ओर से मदन (44 रन) और राकेश (33 रन) ने प्रमुख योगदान दिया। गेंदबाजी में कप्तान वीरेंद्र यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट झटके।जवाब में उतरी आरपीएफ और जीआरपी की टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 18वें ओवर में ही 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम की जीत के हीरो कार्तिक रहे,जिन्होंने नाबाद 63 रनों की पारी खेली और एक विकेट भी लिया,जिसके लिए उन्हें 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। अरविंद शिव ने 40 और सुधीर ने 34 रनों का योगदान दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रेलवे चिकित्सक डॉ.आदित्य जांगिड़ उपस्थित रहे। टूर्नामेंट कमेटी के मीडिया प्रभारी पंकज तिवारी ने बताया कि कल दूसरा सेमीफाइनल ऑपरेटिंग और उचेहरा और मैहर एकादश के बीच खेला जाएगा।

गांधी चौक बना अव्यवस्थाओं का टापू: मलबे और धूल के बीच पिस रहे व्यापारी व राहगीर

सतना

शहर का सबसे व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्र 'गांधी चौक' इन दिनों बदहाली के आंसू रो रहा है। गांधी चौक से बिहारी चौक के बीच चल रहे निजी निर्माण कार्यों ने इस प्रमुख मार्ग को अव्यवस्थाओं के टापू में तब्दील कर दिया है। पिछले कई महीनों से सड़क पर बेतरतीब ढंग से डंप की गई गिट्टी,रेत और मलबे के कारण यह मार्ग अब एक संकरी गली जैसा नजर आने लगा है।

जाम और लापरवाही का आलम

निर्माण सामग्री ने सड़क का लगभग 40 फीसदी हिस्सा घेर लिया है,जिससे दिनभर भारी जाम की स्थिति बनी रहती है। पैदल चलना भी दूभर हो गया है,लेकिन यातायात पुलिस और प्रशासन मौन साधे हुए हैं। रात के अंधेरे में सड़क पर बिखरा मलबा वाहन चालकों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है,जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं।

व्यापार चौपट,स्वास्थ्य पर संकट

सड़क पर उड़ते धूल के गुबार ने न केवल व्यापारियों का धंधा मंदा कर दिया है,बल्कि लोगों को सांस और आंखों की बीमारियों का शिकार बना रहे हैं। डस्ट कंट्रोल के लिए पानी का छिड़काव तक नहीं किया जा रहा। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस 'सरकारी संरक्षण प्राप्त अतिक्रमण' को तुरंत हटाया जाए और निर्माण कार्य में तेजी लाकर आम जनता को राहत दी जाए।

प्रशासनिक बैठकों का दौर जारी

'सियासी ब्रेक' पर अटका सतना का नया बस स्टैंड!

सतना। शहर की बदहाल यातायात व्यवस्था और नए बस स्टैंड के संचालन को लेकर एक बार फिर कलेक्ट्रेट की फाइलों में हलचल शुरू हुई है। कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में आगामी 21 फरवरी को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति और नए बस स्टैंड के संचालन को लेकर बड़ी बैठक बुलाई गई है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या यह बैठक वाकई धरातल पर कोई बदलाव लाएगी या पिछले दावों की तरह महज कागजी खानापूर्ति बनकर रह जाएगी?

दावों की हवा निकली, जनता बेहाल

जब आलीशान नए बस स्टैंड का उद्घाटन हुआ था,तब प्रशासन ने बड़े-बड़े दावे किए थे। वादा था कि सभी बसें यहीं से संचालित होंगी और शहर के व्यस्ततम इलाकों जैसे सेमरिया चौक,सर्किट हाउस चौक, सिविल लाइन और कोठी मोड़ को 'अराजक यातायात' से मुक्ति मिल जाएगी। लेकिन हकीकत इसके उलट है। आज भी ये चौराहे डग्गामार बसों और अवैध पार्किंग के अड्डे बने हुए हैं।

बस संचालकों की 'दादागिरी' या मिलीभगत?

प्रशासन की सुस्ती का आलम यह है कि बस संचालकों ने खुलेआम प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आंदोलन की चेतावनी दे डाली है। वे नए बस स्टैंड जाने को तैयार नहीं हैं और पुराने ढर्रे पर ही शहर के बीचों-बीच बसें दौड़ाना चाहते हैं। चर्चा आम है कि राजनीतिक रसूख और ऊंचे संपर्कों के कारण बस मालिकों के आगे सरकारी अधिकारी पंगु नजर आ रहे हैं। इसी 'पॉलिटिकल इंटरफेरेंस' का नतीजा है कि आम जनता हर दिन घंटों जाम में फंसकर अपनी जान और समय दोनों जोखिम में डाल रही है। 21 फरवरी को दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सड़क सुरक्षा और बस स्टैंड संचालन पर मंथन होगा। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संजय श्रीवास्तव ने सभी सदस्यों को उपस्थित रहने का आग्रह किया,लेकिन क्या अधिकारी उन 'सफेदपोश' दखलंदाजों का सामना कर पाएंगे जो शहर की व्यवस्था को पटरी पर आने से रोक रहे हैं?

खबर संक्षेप

हादसे के बाद दो लाख की मांग ने युवक की ली जान

पन्ना। बृजपुर थाना क्षेत्र के उमरी गांव में सड़क हादसे के बाद वसूली और धमकी के आरोपों से जुड़ा एक सनसनीखेज मामला सामने आया है।

जानकारी के अनुसार सुनील आदिवासी पिता भूरा आदिवासी उम्र 27 वर्ष 18 फरवरी 2026 को पहाड़ी खेड़ा से ऑटो में सवार होकर यात्रियों को लेकर अपने गांव उमरी लौट रहा था। उमरी से पहले गैस एजेंसी के पास सामने से आ रही बाइक ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें बाइक चालक विकास लोधी, निवासी उमरी, घायल हो गया। परिजनों का आरोप है कि हादसे के बाद बाइक चालक ने ऑटो चालक सुनील आदिवासी से 2 लाख रुपये की मांग की और पैसे न देने पर जान से मारने की धमकी दी। बताया जा रहा है कि कुछ लोगों ने समझौता कराने की कोशिश की, लेकिन मामला शांत नहीं हुआ। घटना के बाद सुनील आदिवासी लगातार मानसिक तनाव में थे। 19 फरवरी 2026 की सुबह करीब 4 बजे परिजनों ने सुनील आदिवासी को घर के कमरे में फंदे पर लटका पाया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि बाइक चालक नशे की हालत में था और उसने जानबूझकर टक्कर मारी थी। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। वहीं मृतक के पांच मासूम बच्चों के सिर से पिता का साया हमेशा के लिए उठ गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे से लेकर कथित वसूली व धमकी के सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

65 वर्षीय वृद्ध ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

अमानगंज। अमानगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम टोराह में एक दुखद घटना सामने आई है। यहां राम भगवान कुशवाहा उम्र 65 वर्ष निवासी टोराह ने पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 एफआरबी अमानगंज की टीम मौके पर पहुंची। टीम में आरक्षक अखिल पाल एवं पायलट मनीष दहायत शामिल रहे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमानगंज भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कदम पारिवारिक कलह के चलते उठाया गया बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

श्रीमद भागवत में श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन

अमानगंज। अमानगंज प्रतिनिधि नगर अमानगंज अंतर्गत ग्राम पिपरवाह में चल रही संगीत में श्रीमद् भागवत कथा की पांचवें की कथा में धाम वृंदावन से पधारे कथा व्यास श्री सुखेंद्र मिश्रा ने आज भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का बहुत ही सुंदर वर्णन किया भगवान के द्वारा माखन चोरी गाय को चराने के लिए जंगल में जाना गोवर्धन पर्वत को उंगली पर उठाए रखना अपनी शाखा मित्रों के साथ गेंद खेलने के प्रसंग का बहुत ही सुंदर वर्णन किया गया साथ में गोवर्धन पर्वत पूजा विधि विधान के साथ मंत्र उच्चारण करके हर्षोल्लास के साथ की गई कथा श्रोता परीक्षित के रूप में श्रीमती रुचि दीपक बहरे के द्वारा इस कथा का आयोजन किया जा रहा हैं।

वन एवं राजस्व सीमा विवाद का हो सकेगा प्रभावी निराकरण

पन्ना। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह के प्रयासों से अब पन्ना विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत वन एवं राजस्व सीमा विवाद का प्रभावी निराकरण संभव हो सकेगा। इस संबंध में विधायक द्वारा म.प्र. विधानसभा के सत्र में ध्यानाकर्षण के माध्यम से राजस्व मंत्री से वन व्यवस्थापन अधिकारी के रूप में डिप्टी कलेक्टर नियुक्त करने की मांग की गई थी। इसके अलावा जिला कलेक्टर के पत्र के माध्यम से भी राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव को अवगत कराया गया था। पन्ना विधायक की मांग पर अब विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर द्वारा भी वन व्यवस्थापन अधिकारी की तत्काल नियुक्ति के संबंध में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

सीधी में पुजारी की निर्मम हत्या होने पर आक्रोशितजनों ने तहसीलदार को दिया ज्ञापन

अजयगढ़।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि सीधी जिले में कुसमी थाना अंतर्गत हनुमान जी मंदिर के पुजारी इंद्रभान द्विवेदी जी शिवरात्रि के दिन मंदिर से पूजा करने के बाद लौट रहे थे तो वहां पर रास्ते में एक युवक द्वारा धारदार हथियार से उनकी न केवल हत्या की गई बल्कि उनकी छाती में चढ़कर भी कई बार किए गए और जाति सूचक शब्द कहकर सम्मानित किया गया इस तरह की निर्मम हत्या होने से लोगों में काफी आक्रोश देखने को मिला अजयगढ़ क्षेत्र के पुजारी ने तथा सर्व समाज के लोगों में प्रदेश के मुख्यमंत्री से मांग की की पुजारी जी के परिजनों की आर्थिक मदद की जाए तथा परिवार के एक सदस्य को शासकीय नौकरी दी जाए तथा अपराधी को फांसी की सजा दी जाए ताकि भविष्य में कोई इस तरह का अपराधिक काम ना कर सके स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी परिषद के अध्यक्ष श्री राम पाठक ने पुजारी जी की हत्या पर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान में कुछ व्यक्ति और कुछ संगठन लगातार सनातन धर्म के मानने वाले पुजारी साधु संतों देवी देवताओं धर्म ग्रंथो के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हैं सीधी जिले में जो पुजारी जी की हत्या होती है वह कहीं ना कहीं उसे माहौल का परिणाम भी हो सकता है जो लगातार कई महीनो से मध्य प्रदेश में साधु संतों को पुजारी के खिलाफ धार्मिक परंपराओं के खिलाफ बनाया जा रहा है सरकार को इस संबंध में कठोर कार्रवाई करना चाहिए स्थानीय लोगों ने अजयगढ़ थाना में भी पहुंचकर एक आवेदन थाना प्रभारी हरि सिंह ठाकुर को दिया गया जिसमें अजयगढ़ क्षेत्र के मंदिरों में भी पुजारी की सुरक्षा हेतु आवश्यक कदम उठाने की मांग की गई ज्ञापन देते समय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी परिषद के अध्यक्ष श्री राम पाठक अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के ब्लॉक अध्यक्ष दादूराम मिश्रा एडवोकेट बाबूराम तिवारी एडवोकेट प्रेम कुमार कुमार पांडे जन्मेजय अर्जरिया भोला गौतम मनु गौतम भवानी दिन जी एडवोकेट दशरथ गुप्ता दीपक मिश्रा मोहित मिश्रा लल्लन पांडे हरि शरण सिंह रोल पुरुषोत्तम रैकवार दिनेश रावत मोहम्मद महबूब लखन लाल यादव डॉक्टर रमाशंकर द्विवेदी संतराम मिश्रा अशोक शुक्ला कैलाश दुबे अनिल मिश्रा कमलेश मिश्रा शंकर सिंह बुंदेला बब्बू राजा बुंदेला आशीष जड़यिा बंटी गोस्वामी कमलेश द्विवेदी रवि विश्वकर्मा समेत अजयगढ़ नगर के कई प्रतिष्ठित जन मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत मुटवा कला में भारी भ्रष्टाचार अधिकारियों को आवेदन देने एवं सीएम हेल्प लगाने पर भी नहीं हो रही कार्यवाही

पन्ना।

जिले में विभिन्न निर्माण कार्यों में व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार चल रहा है लोगों द्वारा शिकायती करने के बावजूद तथा सीएम हेल्पलाइन में कार्यवाही देने पर भी कोई कार्यवाही नहीं होती है तथा सीएम हेल्पलाइन की शिकायत आवेदक की बिना सहमति से ही फोर्स क्लोज कर दी जाती है इस संबंध में अरविंद सिंह यादव ने बताया कि ग्राम पंचायत में सरपंच सचिव उप यंत्री द्वारा व्यापक स्तर भ्रष्टाचार किया गया सीसी सड़क नाली का घटिया निर्माण किया गया पूरे गांव में नालिया बज बजा रही हैं तथा पानी सड़क पर भरा हुआ है जिससे गंदगी फैलने के साथ-साथ मच्छरों के आतंक से लोगों में मलेरिया टाइफाइड डेंगू चिकनगुनिया जैसी बीमारियां उत्पन्न हो रही है उसके संबंध में स्थानीय लोगों द्वारा जनपद पंचायत तथा जिला पंचायत में भी शिकायत की गई है लेकिन समस्या का कोई निराकरण नहीं हो रहा गांव में पानी की टंकी बनी हुई है लेकिन पानी सप्लाई नहीं हो रहा है लोग पीने के पानी के लिए परेशान हैं 15 लाख की लागत से फसल सुरक्षा दीवार घटिया किस्म की बनाई गई तथा राशि अहिरात कर ली गई फर्जी मजदूरों के नाम से मनरेगा की राशि निकल गई मटेरियल के नाम पर भी फर्जी वेंडर बनाकर भुगतान प्राप्त किया गया इस प्रकार से ग्राम पंचायत क्षेत्र में लगातार भ्रष्टाचार चल रहा है लेकिन शिकायत करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

इंडिया स्किल कंपटीशन बेस्ट रीजन का आयोजन हुआ संपन्न
विभिन्न प्रदेशों के प्रतिभागियों ने लिया भाग

अमानगंज।

इंडिया स्किल्स कॉम्पिटिशन (वेस्ट रीजन) 2025-26 में यदुपति सिंघानिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रशिक्षकों का शानदार प्रदर्शन इंडिया स्किल्स कॉम्पिटिशन (वेस्ट रीजन) 2025-26 का रीजनल लेवल का आयोजन गांधीनगर, गुजरात में 15 फरवरी 2026 से 18 फरवरी 2026 तक सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कॉम्पिटिशन का शुभारंभ 15/02/2026 को केंद्रीय मंत्रिमंडल के मंत्री जयंत चौधरी कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री द्वारा किया गया। 16 एवं 17 फरवरी 2026 को आयोजित इस रीजनल कॉम्पिटिशन में कुल 63 अलग-अलग स्किल्स पांच राज्यों (राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र एवं गोवा) के कुल 300 से भी ज्यादा प्रतिभागियों ने अपनी दक्षता का प्रदर्शन किया। इस प्रतिष्ठित कॉम्पिटिशन में यदुपति सिंघानिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी अमानगंज पन्ना के प्रशिक्षकों ने मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। संस्थान के प्रतिभागियों ने ब्रिकलेइंग, रिन्यूएबल एनर्जी तथा वॉल एंड फ्लोर टाइलिंग में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया।

प्रतियोगिता में संस्थान के प्रशिक्षक - अजय अहिरवार ने ब्रिकलेइंग ट्रेड में स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) प्राप्त किया। नेपाल सिंह ने वॉल एंड फ्लोर टाइलिंग ट्रेड में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। स्वर्ण पदक विजेता प्रतिभागियों को गुजरात सरकार के कौशल मंत्रालय की ओर से प्रोत्साहन स्वरूप 75,000/- का चेक प्रदान किया गया। संस्थान के प्रशिक्षक श्री मनीष कुमार बुनकर ने जानकारी देते हुए बताया कि यह उपलब्धि न केवल संस्थान बल्कि मध्य प्रदेश राज्य के लिए भी गर्व का विषय है। वे विजेता प्रतिभागियों एवं प्रशिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह सफलता संस्थान में प्रदान की जा रही सीवीजी प्रशिक्षण व्यवस्था, समर्पित मार्गदर्शन एवं विद्यार्थियों की मेहनत का प्रतिफल है।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में शत प्रतिशत बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित कराएं- मुख्य सचिव

प्राथमिकता के साथ पूर्ण हो बालिका शौचालयों का निर्माण प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का प्रभावी और परिणाममूलक क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं

पन्ना।

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश कलेक्टरों को दिए हैं। उन्होंने कहा है कि बच्चों को प्राथमिक स्तर की शिक्षा मुहैया कराना आवश्यक है। इसके लिए आंगनबाड़ी केन्द्रों में शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित होना चाहिए। आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति के संबंध में शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभाग संयुक्त रूप से कार्य करें। उन्होंने कहा कि अप्रैल माह से चालू होने वाले नवीन शिक्षा सत्र में शत प्रतिशत छात्र-छात्राओं को स्कूलों में प्रवेश दिलाने के लिए कार्ययोजना तैयार करें। स्कूलों में प्रवेश से वंचित छात्र-छात्राओं की संख्या नगण्य हो। इसके सतत प्रयास किए जाएं तथा शैक्षणिक कैलेंडर का पालन सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव श्री जैन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी कलेक्टरों एवं प्रमुख अधिकारियों को उक्ताशय के निर्देश दिए। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी व्हीसी कक्ष में कलेक्टर ऊषा परमार, पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू, जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी, अपर कलेक्टर मधुवंतराव धुर्वे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वंदना चौहान सहित अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मुख्य सचिव ने स्कूलों में बालिकाओं के लिए बनाए जा रहे बालिका शौचालयों के निर्माण की प्रगति की जिलेवार समीक्षा करते हुए कहा कि बालिका शौचालयों का निर्माण सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ किया जाए तथा यह कार्य मार्च माह के अंत तक पूर्ण हो जाना चाहिए। मुख्य सचिव ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वे क्षतिग्रस्त भवनों की सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ मरम्मत कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि स्कूल भवनों में किसी भी प्रकार की दुर्घटना न हो, यह सभी कलेक्टर सुनिश्चित करें। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में उद्योग विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की जिलेवार समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत लोगों को कुटीर उद्योग स्थापित करने के लिए निरंतर प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अधिक से अधिक प्रकरण तैयार कर बैंकों को प्रेषित कराएं तथा हितग्राहियों को बैंकों के माध्यम से ऋण मुहैया कराकर कुटीर उद्योग स्थापित कराने के लिए सतत रूप से प्रोत्साहित करें। मुख्य सचिव ने कहा कि कलेक्टर्स शासन द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं और लोगों की आमदनी बढ़ाने के सतत प्रयास करें। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं तथा इस योजना के संबंध में किसानों को समुचित जानकारी मुहैया कराएं तथा किसानों को इस योजना से लाभ उठाने के लिए सतत रूप से प्रोत्साहित भी किया जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मुख्य सचिव ने रूफटॉप सौर योजना की भी जिलेवार समीक्षा की तथा इस योजना की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने, योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा योजना का लाभ लोगों को दिलाने के भी निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कलेक्टरों को निर्देश दिए कि लोक सेवा प्राधिकरण के तहत लोगों को सहजता से सेवाएं मुहैया कराएं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मुख्य सचिव द्वारा अन्य योजनाओं की भी समीक्षा की गई।

पन्ना में धर्म की गंगा, बंदर खोह से सुतीक्ष्ण मुनी आश्रम तक निकली भव्य श्रीराम कथा शोभायात्रा

पन्ना।

धर्म और आस्था की नगरी पन्ना के अहिरगुंवा क्षेत्र में इन दिनों भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। 18 पुराणों की बैठकी के पावन अवसर पर बंदर खोह अहिरगुंवा से एक विशाल एवं भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसने पूरे क्षेत्र को श्जय श्री रामश के उद्घोष से गुंजायमान कर दिया।

मुख्य आकर्षण एवं मार्ग-

यह शोभायात्रा बंदर खोह से प्रारंभ होकर सारंगधर सुतीक्ष्ण मुनी आश्रम तक पहुँची। यात्रा के दौरान स्थानीय श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था। पारंपरिक वाद्य यंत्रों, ध्वजाओं और प्रभु श्री राम के जयकारों के साथ निकली इस यात्रा में बड़ी संख्या में माताएं-बहनें और युवा सम्मिलित हुए।

कथा व्यास द्वारा महात्म्य वर्णन-

अयोध्या धाम से पधारे कथा व्यास पूज्य संत श्री आनंद जी महाराज ने श्री राम कथा के महात्म्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राम कथा केवल एक कहानी नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। उन्होंने बताया कि प्रभु राम के आदर्शों को जीवन में उतारने से ही समाज और राष्ट्र का कल्याण संभव है।

स्थानीय सहयोग और अपील-

वर्तमान में क्षेत्र में बह रही इस धर्म की गंगा में स्थानीय लोगों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। आयोजन समिति के सदस्य अन्नू यादव और देवी सिंह ,विजय खरे,अलोक रावत,समाजसेवी राम बिहारी गोस्वामी पन्ना ने इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने में ग्रामीणों की भूमिका की सराहना की। साथ ही, उन्होंने क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं से चिरैया बाबा के सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर सहयोग करने की भावुक अपील की है।

जिला स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता में चयनित विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

पन्ना। राज्य शिक्षा केन्द्र के निर्देशानुसार विगत दिवस ओलंपियाड 2025-26 की जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर चयनित छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कलेक्टर ऊषा परमार ने गत बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में इन विद्यार्थियों का सम्मान किया। इस मौके पर प्रत्येक छात्र-छात्राओं को ट्रैक सूट, कैप, बैग, पानी की बॉटल, टिफिन, जोमेट्री बॉक्स, प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। जिला कलेक्टर ने मेधावी विद्यार्थियों को बधाई व शुभकामनाएं प्रदान कर उत्साहवर्धन किया। साथ ही अध्ययन की निरंतरता बनाए रखने और प्रतियोगिताओं की बेहतर तैयारियों के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया। डीपीसी अजय कुमार गुप्ता द्वारा विद्यार्थियों के परिश्रम और शिक्षकों के मार्गदर्शन की सराहना की गई। उपस्थित समस्त छात्र-छात्राओं, मार्गदर्शी शिक्षकों व अभिभावकों को बधाई देकर उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस दौरान कक्षा 2 एवं 3 के हिंदी, अंग्रेजी एवं गणित, कक्षा 4 एवं 5 के हिंदी, अंग्रेजी, गणित व पर्यावरण तथा कक्षा 6 से 8 के हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान विषयों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी छात्र-छात्राओं का सम्मान हुआ। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी रविप्रकाश खरे सहित मार्गदर्शी शिक्षक और अभिभावकगण भी उपस्थित रहे।

अजयगढ़ नगर परिषद की साधारण बैठक संपन्न, कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर

पन्ना।

पन्ना जिले के ऐतिहासिक नगर अजयगढ़ में नगर परिषद की साधारण सम्मिलन बैठक सफलतापूर्वक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सीता सरोज गुप्ता ने की, जिसमें विकास कार्यों एवं प्रशासनिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में नगर के साप्ताहिक बाजार एवं सब्जी मंडी में निर्मित दुकानों की नीलामी को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया। हॉकर्स जोन एवं साप्ताहिक बाजार में पूर्व में निर्मित दुकानों की प्रीमियम राशि जमा न करने वाले आवंटियों का आवंटन निरस्त कर पुनः नीलामी करने का निर्णय लिया गया। बस स्टैंड स्थित क्षतिग्रस्त यात्री प्रतीक्षालय को गिराकर नए सिरे से निर्माण कराने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। साथ ही बस स्टैंड वाहन विराम शुल्क के ठेके के लिए वर्ष 2026-27 हेतु ऑनलाइन दरें आमंत्रित करने का प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में विभिन्न नामांतरण प्रकरणों पर भी विचार करते हुए आवश्यकतानुसार स्वीकृति एवं अस्वीकृति प्रदान की गई। इस अवसर पर उपाध्यक्ष राजकुमार खटीक, वार्ड क्रमांक 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 11 एवं 13 के पार्षदगण, मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा राजस्व प्रभारी उपस्थित रहे। अध्यक्ष श्रीमती सीता सरोज गुप्ता ने कहा कि परिषद द्वारा लिए गए ये निर्णय नगरवासियों की सुविधा, बाजार व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा परिषद की आय में वृद्धि के उद्देश्य से किए गए हैं। नगर परिषद अजयगढ़ निरंतर विकास कार्यों एवं जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ रही है। यह बैठक अजयगढ़वासियों के लिए शहर की प्रगति और बेहतर नागरिक सुविधाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 2.90 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत

छतरपुर। म.प्र. शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा छतरपुर जिले के गंभीर बीमारी से पीड़ित 6 लोगों को बेहतर उपचार के लिए आर्थिक सहायता राशि मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से कुल 2.90 लाख रुपए की स्वीकृत की गई है। हितग्राही सुशीला यादव पति हरिराम यादव निवास पठिया बरेठी छतरपुर को 65 हजार रुपए, अरुण कुमार पाठक पिता प्रकाश पाठक वार्ड नंबर 23 शंकर नगर कॉलोनी छतरपुर को 50 हजार रुपए, करन सिंह बुंदेला पिता महेंद्र सिंह ललपुर जिला छतरपुर को 50 हजार रुपए, अशोक कुमार तिवारी पिता मैयादीन तिवारी नि. अरविंद आश्रम के पास वार्ड नंबर 4 नौगांव को 50 हजार रुपए, सूरज आदिवासी पिता लखनलाल आदिवासी वार्ड नंबर 15 ग्राम गोरखपुरा जिला छतरपुर को 40 हजार रुपए एवं तुलसा बाई पति जहूरा अहिरवार ग्राम राजपुरा जिला छतरपुर को 35 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

298 केंद्रों पर होगी कक्षा पांचवी और आठवीं की परीक्षा

छतरपुर। बोर्ड पैटर्न पर कक्षा 5वीं और 8वीं की परीक्षाएं 20 फरवरी से शुरू हो रही हैं। इन दोनों परीक्षाओं के लिए जिले में इस बार 298 केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर जिले के 80 हजार 359 परीक्षार्थी शामिल होंगे। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए गए। जिला शिक्षा केंद्र द्वारा केंद्र अध्यक्ष और सहायक केंद्र अध्यक्षों की बैठक बुलाकर व्यवस्थाओं के संबंध में समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। कक्षा 5वीं की परीक्षा 20 फरवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक चलेगी। वहीं कक्षा 8वीं की परीक्षा 28 फरवरी तक चलेगी। दोनों परीक्षाओं की शुरूआत प्रथम भाषा हिंदी और अंग्रेजी से हो रही है। परीक्षा का समय इस बार दोपहर 2 बजे से साढ़े 4:30बजे तक निर्धारित किया गया है। कक्षा 5वीं में 43 हजार 128 परीक्षार्थी दर्ज हैं, वहीं कक्षा 8वीं में 37 हजार 231 परीक्षार्थी दर्ज हैं। परीक्षा के लिए बनाए 298 केंद्रों पर 74 जन शिक्षा केंद्रों के 2829 स्कूलों के परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ए एस पाण्डेय ने बताया कि जिले में 298 परीक्षा केन्द्र निर्धारित किए गए हैं। इनमें सभी केन्द्रों के लिए केन्द्राध्यक्ष, सहायक केन्द्राध्यक्ष नियुक्त कर आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया है। पूरी सावधानी और गंभीरता के साथ शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षाओं का संचालन कराने के निर्देश दिए गए हैं।

52वाँ खजुराहो नृत्य समारोह

छतरपुर। कलेक्टर पार्थ जैसवाल एवं एसपी अगम जैन ने 20 फरवरी से प्रारंभ होने वाले 52वें खजुराहो नृत्य समारोह के कार्यक्रम स्थल का गुरुवार को निरीक्षण किया। समारोह के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आगमन प्रस्तावित है। नृत्य समारोह 20 फरवरी 2026 शाम 6:30 बजे से प्रारंभ होगा। जिसमें प्रतिदिन 26 फरवरी तक नृत्य प्रस्तुतियों का आयोजित होगा जो 7 दिवस तक संचालित होगा। जिसके संबंध में कलेक्टर एवं एसपी ने कार्यक्रम स्थल की तैयारियों और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और व्यवस्थाएं सुचारू रूप से रखने के निर्देश दिए। साथ ही लॉ एंड ऑर्डर एवं ट्रैफिक व्यवस्था के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही शिल्पग्राम में कार्निवल से जुड़ी गतिविधियों की तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान जिले के अधिकारी एवं संस्कृति विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने बताया कि इस समारोह में देश विदेश के प्रसिद्ध कलाकार भाग लेंगे एवं विशेष रूप से इस नृत्य समारोह के साथ खजुराहो कार्निवल का आयोजन होगा। जिसमें स्थानीय कलाकारों भी मंच दिया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा जिलेवासियों से समारोह में शामिल होने की अपील की गई है।

2 साल से टूटे कांच के साथ मरीजों को ढोने को मजबूर

खस्ता हालत में दौड़ रही जिंदगी बचाने वाली एम्बुलेंस

छतरपुर। जिले की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की पोल खोलने वाली एक तस्वीर सामने आई है। दरअसल यहां मरीजों को आपातकालीन स्थिति में अस्पताल पहुँचाने वाली एम्बुलेंस खुद ही जर्जर हाल में हैं। जिला अस्पताल में मरीज लेकर पहुँची एक एम्बुलेंस की खस्ताहाल स्थिति देखकर न केवल परिजन दहशत में हैं, बल्कि इसमें ड्यूटी करने वाला स्टाफ भी अपनी जान हथेली पर रखकर सफर कर रहा है।

जानकारी के मुताबिक जिला अस्पताल की एम्बुलेंस क्रमांक सीजी 04 एनएस 4580 की बॉडी पूरी तरह जर्जर हो चुकी है और सामने का कांच पिछले दो साल से टूटा हुआ है। वाहन की स्थिति इतनी खराब है कि तेज हवा या मामूली झटके से कांच चटककर चालक या अंदर बैठे स्टाफ के चेहरे पर गिर सकता है, जो किसी बड़े हादसे को खुला आमंत्रण है। वाहन में सफर करने वाले मरीजों के परिजनों का कहना है कि मजबूरी में उन्हें इस पर सवार होना पड़ता है क्योंकि उनके पास दूसरा कोई विकल्प नहीं होता। एम्बुलेंस के ईएमटी मंगल अहिरवार ने बताया कि यह वाहन लगभग 5 लाख 30 हजार किलोमीटर से अधिक चल चुका है। उन्होंने स्वीकार किया कि पिछले दो साल से वे इसी तरह टूटे कांच के साथ गाड़ी चला रहे हैं। कई बार उच्च अधिकारियों और संस्था को अवगत कराया गया, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। इस मामले में जब जिम्मेदार अधिकारियों का पक्ष जानने की कोशिश की गई, तो जिला एम्बुलेंस प्रभारी रोहित अरजरिया ने फोन रिसीव नहीं किया और सीएमएचओ डॉ. आर.के. गुप्ता से भी संपर्क नहीं हो सका।

बछौंन के बुजुर्ग ने फिर लगाई न्याय की गुहार

घर में आगजनी और पत्थरबाजी का आरोप

छतरपुर। जिले के ग्राम बछौंन निवासी बुजुर्ग का जमीनी विवाद अब गहराता जा रहा है। पीड़ित बुजुर्ग ने गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आवेदन देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। बुजुर्ग का आरोप है कि जमीनी रंजिश के चलते दबंगों ने न केवल उनके घर पर पत्थरबाजी की, बल्कि घर में आग भी लगा दी, जिससे जान-माल का बड़ा खतरा पैदा हो गया है। बछौन निवासी रामस्वरूप रुपौलिहा ने बताया कि वह लंबे समय से अपनी पुश्तैनी जमीन के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे अब हिंसक वारदातों पर उतारू हो गए हैं। घर पर आगजनी और पथराव की घटना से पीड़ित परिवार बुरी तरह सहमा हुआ है। उल्लेखनीय है कि यह वही बुजुर्ग हैं जिन्होंने कुछ दिन पहले कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में न्याय न मिलने से हताश होकर आत्महत्या का प्रयास किया था। उस घटना के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। पीड़ित बुजुर्ग का कहना है कि प्रशासन और पुलिस से बार-बार गुहार लगाने के बावजूद उन्हें अब तक ठोस सुरक्षा या न्याय नहीं मिला है। जनसुनवाई में हुए ड्रामे के बाद प्रशासन ने आश्वासन तो दिया था, लेकिन अब घर पर हुए इस हमले ने सुरक्षा व्यवस्था पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। रामस्वरूप ने एसपी को दिए आवेदन में स्पष्ट रूप से आरोपियों के नाम उजागर करते हुए उनकी तत्काल गिरफ्तारी और अपनी जान-माल की रक्षा की मांग की है।

जमीनी विवाद में वृद्ध से मारपीट एसपी से लगाई न्याय की गुहार

सीमांकन के बाद भी दबंग कर रहे कब्जे का प्रयास

छतरपुर। जिले के राजनगर तहसील अंतर्गत ग्राम गंज कदौंहा में जमीनी विवाद को लेकर एक वृद्ध के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। आरोपियों की दबंगई और स्थानीय पुलिस की निष्क्रियता से परेशान होकर पीड़ित वृद्ध गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुँचा और न्याय के लिए गुहार लगाई। पीड़ित छमिया पटेल निवासी ग्राम गंज कदौंहा ने आवेदन में बताया कि उसकी भूमि खसरा नंबर 233 और बारा नंबर 446 पर प्रशासन द्वारा विधिवत सीमांकन कराया जा चुका है। सीमांकन के दौरान विपक्षी दल मौजूद था और उस समय कोई आपत्ति दर्ज नहीं की गई थी। इसके बावजूद, गांव के ही महेंद्र, राजा और अर्जुन नामक व्यक्ति जबरन जमीन पर दोबारा कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। पीड़ित का आरोप है कि जब उसने इस अवैध कब्जे का विरोध किया, तो आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज की और मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। छमिया पटेल ने बताया कि इस संबंध में उन्होंने थाना प्रभारी बमीठा सहित वरिष्ठ अधिकारियों को भी शिकायत दी थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। पुलिस की इस सुस्ती के कारण दबंगों के हौसले बुलंद हैं और पीड़ित को भविष्य में किसी बड़ी अप्रिय घटना की आशंका बनी हुई है। पीड़ित ने एसपी से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर आरोपियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की है।

शारीरिक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों ने जानी रोजगार की संभावनाएं

योग और क्रीड़ा क्षेत्र में उपलब्ध विश्वस्तरीय प्रशिक्षण की मिली जानकारी

छतरपुर। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, छतरपुर के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा पीएम ऊषा द्वारा वित्तपोषित तथा सेडमैप के प्रबंधन से लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन, ग्वालियर का एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया गया। कुलगुरु प्रो. राकेश कुशवाह के सरंक्षण एवं कुलसचिव यशवंत सिंह पटेल तथा संचालक शारीरिक शिक्षा डॉ बीपी सिंह गौर के निर्देशन में विद्यार्थियों का दल सहायक संचालक शारीरिक शिक्षा, डॉ बीडी नामदेव के नेतृत्व में एलएनआईपी ग्वालियर पहुंचा। आयोजित इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को शारीरिक शिक्षा, क्रीड़ा एवं योग से संबंधित विश्वस्तरीय सुविधाओं तथा इस क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार की संभावनाओं से रूबरू कराना था। विद्यार्थियों ने ग्वालियर पहुंचकर लक्ष्मीबाई नेशनल फिजिकल एजुकेशन संस्थान में विभिन्न खेल विधाओं में उपलब्ध अधोसंरचना की जानकारी ली। विभाग में एडवांस फिजिकल ट्रेनिंग वल्र्ड क्लास जिम, स्पोट्र्स साइंस की सुविधा ,संपूर्ण संचालित पाठ्यक्रम, खेल क्षेत्र से संबंधित नवीनतम उपकरणों का अवलोकन किया। विद्यार्थियों ने जिनमें अत्यधिक रूचि का प्रदर्शन किया वे स्पेशल ई-लाइब्रेरी कक्ष, दुर्लभ प्राचीन पुस्तकालय कक्ष, स्पोट्र्स साइंस की मशीन जिसमें 1 आरएम वेट मेजरमेंट मशीन, सिट एंड रीच टेस्ट बॉक्स का प्रयोग, हैंड ग्रिप स्ट्रेंथिंग मशीन आदि खेल उपकरण थे। आद्यतन खेल उपकरण, विभिन्न खेल मैदान, विश्व स्तरीय खेल प्रशिक्षण से विद्यार्थी रोमांचित तथा प्रेरित नजर आये।

योग साइंस विभाग में योग का ज्ञान

योग विज्ञान विभाग पहुंचकर सभी छात्र छात्राओं ने विभाग में चल रहे सामान्य एवं शोध पाठ्यक्रमों के बारे में संपूर्ण जानकारी प्राप्त की। विभाग में शोधार्थियों से मिलने के पश्चात विद्यार्थी योग में अध्यापन कार्य कर रहे शिक्षकों से योग की प्रायोगिक कक्षाओं एवं प्राथमिक चिकित्सा से अवगत हुए। प्राकृतिक चिकित्सा में विभिन्न चिकित्साएं जैसे रंग चिकित्सा, चुंबकीय चिकित्सा, स्नान चिकित्सा, भाप चिकित्सा ,पंचकर्म शोध क्रियाएं जैसी चिकित्सीय विधियों से साक्षात्कार किया। संस्थान के योग शिक्षक श्री उमेश ने बताया कि संस्थान में एक वर्षीय डिप्लोमा, योग प्राकृतिक चिकित्सा और पीजी डिप्लोमा इन योगा विथ अल्टरनेट थेरेपी जैसे पाठ्यक्रम संस्थान में संचालित हैं। शारीरिक शिक्षा विभाग के 50 विद्यार्थी एवं विभागीय सदस्य, सुश्री आशिया खान, सुरेश याढव, पुष्पेंद्र प्रजापति शैक्षणिक भ्रमण में शमिल हुए।

छतरपुर में अंतरराज्यीय बैडमिंटन का महाकुंभ

21 फरवरी से शुरु होगी द्वितीय छतरपुर प्रीमियर लीग

स्टेडियम में जुटेगा खिलाड़ियों का हुजूम

छतरपुर। शहर के पंडित बाबूराम चतुर्वेदी स्टेडियम में आगामी 21 फरवरी से द्वितीय छतरपुर प्रीमियर लीग बैडमिंटन टूर्नामेंट का भव्य आयोजन होने जा रहा है। तीन दिवसीय यह खेल महोत्सव 23 फरवरी तक चलेगा, जिसमें आसपास एमपी यूपी के जिले भर के दिग्गज और उदीयमान खिलाड़ी अपने रैकेट का जौहर दिखाएंगे। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के सफल संचालन को लेकर आयोजन समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई, जिसमें खेल सुविधाओं, खिलाडिय़ों के पंजीयन और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। समिति के सदस्यों ने संकल्प लिया है कि इस बार का आयोजन पिछले वर्ष की तुलना में और भी भव्य और व्यवस्थित होगा। टूर्नामेंट की खास बात यह है कि इसे तीन अलग-अलग आयु वर्गों में बांटा गया है, ताकि हर उम्र के खिलाड़ी अपनी क्षमता के अनुसार प्रतिस्पर्धा कर सकें। प्रतियोगिता डबल्स कैटेगरी में आयोजित की जाएगी, जिसमें ओपन कैटेगरी, 35 वर्ष से अधिक और 50 वर्ष से अधिक के आयु समूह शामिल हैं। आयोजन समिति ने पंजीकरण शुल्क मात्र 500 रुपये प्रति टीम रखा है, ताकि अधिक से अधिक खिलाड़ी इसमें हिस्सा ले सकें। मैच सुबह 7:30 बजे से शुरू होकर देर रात 9:00 बजे तक चलेंगे, जिससे दर्शकों को भी दिन भर रोमांचक मुकाबलों का आनंद मिलेगा। प्रतियोगिता को और भी रोमांचक बनाने के लिए समिति ने आकर्षक पुरस्कार राशि की घोषणा की है। टूर्नामेंट के विजेता को 11,000 रुपये की नकद राशि और ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा, जबकि उपविजेता टीम को 5,100 रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। आयोजन समिति की बैठक में यह भी तय किया गया कि खिलाडिय़ों के लिए बेहतर कोर्ट, लाइटिंग और रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था स्टेडियम परिसर में ही सुनिश्चित की जाएगी। बैठक के दौरान समिति के सदस्यों ने कहा कि इस प्रीमियर लीग का मुख्य उद्देश्य जिले में बैडमिंटन के प्रति युवाओं में रुचि जगाना और वरिष्ठ खिलाडिय़ों को एक स्वस्थ वातावरण प्रदान करना है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि उद्घाटन समारोह में शहर की जानी-मानी खेल हस्तियों को आमंत्रित किया जाएगा। पंजीयन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और स्थानीय खेल प्रेमियों में इस टूर्नामेंट को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है। छतरपुर बैडमिंटन लीग की आयोजित मीटिंग मे देवेंद्र चौबे,डॉक्टर विशाल श्रीवास्तव, डॉक्टर एम के त्रिवेदी,वायु नंदन पांडे, रविंद्र श्रीवास, भूपेंद्र अहिरवार, शशिकांत असाटी, माहौर, चंद्रभान यादव, बृजेश पाठक इत्यादि सदस्य उपस्थित रहे। रविन्द्र श्रीवास को अंतर्राज्यीय समन्वयक एवं दैनिक प्रतिवेदन का प्रभारी नियुक्त किया गया। साथ ही सभी सदस्यों ने छतरपुर बैडमिंटन लीग - 2 को सफल बनाने की शपथ ली।

पेंशन का झांसा देकर बुजुर्ग की जमीन हड़पने का आरोप

छतरपुर। कलयुगी रिश्तों और जमीन के लालच का एक मामला महाराजपुर तहसील से सामने आया है। यहाँ ग्राम मनकारी के एक 99 वर्षीय बुजुर्ग ने अपने ही नातियों पर धोखाधड़ी कर करोड़ों की जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। चलने-फिरने में असमर्थ यह बुजुर्ग गुरुवार को न्याय की आस में पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुँचा और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की।

निरक्षर और शारीरिक रूप से कमजोर पीड़ित सूरा पटेल ने बताया कि उनके पास ग्राम मनकारी नन्हीपट्टी में लगभग 10 एकड़ से अधिक भूमि है। बुजुर्ग का आरोप है कि उनके नाती अंकित पटेल, राघवेंद्र पटेल और रोहित पटेल उन्हें वृद्धावस्था पेंशन दिलवाने का बहाना बनाकर नौगांव स्थित उप पंजीयक कार्यालय ले गए। वहाँ पेंशन की कागजी कार्रवाई बताकर उनसे कई दस्तावेजों पर अंगूठे लगवा लिए गए। बुजुर्ग को इस जालसाजी का पता 18 फरवरी को तब चला, जब वे अपनी फार्मर आईडी बनवाने एक ऑनलाइन केंद्र पर पहुँचे। वहाँ कंप्यूटर ऑपरेटर ने बताया कि उनकी जमीन अब उनके नाम पर नहीं, बल्कि उनके नातियों के नाम दर्ज हो चुकी है। पीड़ित ने यह भी बताया कि परिवार में पहले से ही तनाव का माहौल है क्योंकि 21 दिसंबर को उनके बड़े नाती राकेश पटेल की हत्या हो चुकी है। बुजुर्ग ने एसपी से गुहार लगाई है कि इस फर्जी रजिस्ट्री को तत्काल निरस्त किया जाए और बुजुर्गों के साथ ऐसी धोखाधड़ी करने वालों को जेल भेजा जाए। पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने आवेदन स्वीकार करते हुए मामले की जांच के निर्देश दिए हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप, मजिस्ट्रियल जांच की उठाई मांग

केन-बेतवा विस्थापितों के लिए लामबंद हुए अमित भटनागर

छतरपुर। केन-बेतवा लिंक परियोजना के विस्थापितों और प्रभावित ग्रामीणों के हक में आवाज उठाने वाले प्रखर आंदोलनकारी नेता अमित भटनागर जेल से रिहा होने के बाद एक बार फिर सरकार और प्रशासन के खिलाफ मुखर हो गए हैं। गुरुवार को छतरपुर जिला मुख्यालय पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर अमित भटनागर ने आंदोलन के दौरान ग्रामीणों पर हुए कथित अत्याचारों, पुलिसिया बर्बरता और फर्जी मुकदमों की आशंका को लेकर अपनी बात रखी।

अमित भटनागर ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि गत 10 से 14 फरवरी के बीच केन-बेतवा परियोजना से प्रभावित ग्रामीणों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन को कुचलने की कोशिश की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा न केवल ग्रामीणों, महिलाओं और बच्चों के साथ मारपीट की गई, बल्कि कुछ व्यक्तियों के साथ जातिसूचक अपमानजनक शब्दों का प्रयोग कर उन्हें धमकियां भी दी गईं। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा घायलों

की समुचित मेडिकल जांच तक नहीं कराई गई है, जिससे ग्रामीणों में भारी असुरक्षा और चिंता की भावना व्याप्त है। अमित भटनागर ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाते हुए कहा कि आंदोलन से जुड़े लगभग 11 साथियों को बिजावर पुलिस स्टेशन में 24 घंटे से अधिक समय तक अवैध रूप से निरुद्ध रखा गया और उनके साथ अभद्रता की गई। उन्होंने मांग की है कि बिजावर थाना परिसर और घटनास्थल के पास स्थित जानकी निवास प्रांगण के सीसीटीवी फुटेज तत्काल सुरक्षित किए जाएं ताकि पुलिस की कार्रवाई की वास्तविकता जनता के सामने आ सके। उन्होंने आशंका जताई कि आंदोलन को दबाने के लिए सक्रिय कार्यकर्ताओं पर झूठे प्रकरण दर्ज किए जा सकते हैं। अमित भटनागर ने बताया कि उन्होंने कलेक्टर और जिला दंडाधिकारी को पत्र सौंपकर पूरे घटनाक्रम की स्वतंत्र मजिस्ट्रियल जांच की मांग की है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष पर आरोप लगाना नहीं, बल्कि पारदर्शी जांच के माध्यम से निर्दोष ग्रामीणों को न्याय दिलाना है। भटनागर ने प्रशासन से मांग की है कि आंदोलनकारियों पर दर्ज सभी एफआईआर की प्रतियां उपलब्ध कराई जाएं और पुलिस वायरलेस लॉग व ड्यूटी चार्ट जैसे महत्वपूर्ण साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जाए। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि जब तक विस्थापितों को उनका हक और न्याय नहीं मिल जाता, लोकतांत्रिक तरीके से यह लड़ाई जारी रहेगी।

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने दो अधिकारियों को दिया नोटिस

रीवा । कलेक्टर प्रतिभा पाल ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत तय समय सीमा में आवेदन पत्रों का निराकरण न करने पर दो अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस दिया है। नोटिस का तीन दिवस में संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रावधानों के तहत जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी मनगवां हेमंत त्रिपाठी को निःशक्तजन सहायता अनुदान योजना तथा मुख्यमंत्री कल्याणी पेंशन योजना का प्रकरण लंबित रहने पर नोटिस दिया है। कलेक्टर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जवा सुलभ सिंह पुशाम को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के आवेदन में कार्यवाही न करने पर नोटिस दिया है।

विश्वविद्यालय में भूकंप सुरक्षा पर हुआ मॉक ड्रिल का आयोजन

रीवा । भारत सरकार द्वारा रीवा जिले को भूकंप संभावित 'जोन-3' में रखा गया है। इसे देखते हुए अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय परिसर में आपदा प्रबंधन पर एक वृहद मॉक ड्रिल संपन्न हुई। एनडीआरएफ की 11वीं बटालियन (वाराणसी) के डिप्टी कमांडेंट श्री कुलदीप सिंह और निरीक्षक प्रवीण कुमार के मार्गदर्शन में 30 जवानों की टीम ने एसडीआरएफ रीवा के पीसी पुष्पेंद्र सिंह चंदेल की संयुक्त टीम के साथ मिलकर भूकंप के पूर्व, दौरान और बाद में अपनाई जाने वाली जीवनरक्षक सावधानियों का सजीव प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु श्री सुनील कुमार तिवारी सहित जिला प्रशासन के एसडीएम, तहसीलदार और पुलिस बल की उपस्थिति में विशेषज्ञों ने मलबे में दबे लोगों को निकालने, आग पर नियंत्रण पाने और आपातकालीन स्थिति में प्राथमिक चिकित्सा के गुर सिखाए मॉक ड्रिल के दौरान केवल बचाव कार्य ही नहीं, बल्कि सर्पदंश, चोकिंग (गले में वस्तु फंसना), सीपीआर और फर्स्ट एड जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यावहारिक लेक्चर और डेमोंसट्रेशन भी दिए गए। विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों और छात्रों को संबोधित करते हुए विशेषज्ञों ने बताया कि आपदा के समय घबराने के बजाय सही तकनीक और तत्परता से जनहानि को न्यूनतम किया जा सकता है। उपस्थित जनसमूह और प्रशासन ने इस प्रशिक्षण की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इसे अत्यंत कारगर और जीवनोपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय प्रशासन ने एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम का आभार व्यक्त करते हुए इस तरह के आयोजनों को जन-जागरूकता के लिए अनिवार्य बताया।

उद्योगों की स्थापना से आर्थिक विकास को गति मिलेगी

स्वरोजगार योजनाओं में 31 मार्च तक शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति कराएं - मुख्य सचिव

किसान मित्र सूर्य घर योजना का लाभ सभी किसानों को दें

रीवा । प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कमिश्नर्स-कलेक्टर्स कान्फ्रेंस के एजेण्डा बिन्दुओं की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि कलेक्टर 31 मार्च के पहले बैंकों के साथ कम से कम दो बैठकें करके स्वरोजगार योजनाओं की शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति कराएं। छोटे-छोटे स्वरोजगार भी आर्थिक उन्नति का बड़ा अवसर देते हैं। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में लंबित तथा बैंकों द्वारा निरस्त किए गए प्रकरणों की समीक्षा करके इन्हें स्वीकृत और वितरित कराएं। जिला उद्योग संवर्धन समिति की हर माह बैठक आयोजित करके औद्योगिक निवेश की समीक्षा करें। उद्योगों की स्थापना के लिए जमीन आवंटन तथा अन्य आवश्यकताएं तय समय पर पूरा करें।

नए औद्योगिक क्षेत्रों के निर्माण के लिए भी जमीनों का चिन्हांकन कर लें। आर्थिक विकास के लिए 79 नए औद्योगिक क्षेत्र बनाए जा रहे हैं। उद्योगों की स्थापना से आर्थिक विकास को गति मिलेगी। सभी कलेक्टर प्रधानमंत्री गति शक्ति पोर्टल पर संबंधित विभागों की जानकारियाँ दर्ज कराएं। योजनाओं की मॉनीटरिंग में इस पोर्टल का उपयोग करें।मुख्य सचिव ने कहा कि नवकरणीय ऊर्जा पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा संरक्षण दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। प्रदेश में 41 जिलों में सरकारी भवनों में रूफटाप सोलर प्लांट लगाने का कार्य पूरा हो गया है। प्रधानमंत्री किसान मित्र सूर्य घर योजना में किसान से नाममात्र की राशि

लेकर सोलर प्लांट लगाए जा रहे हैं। इसमें बैंक ऋण में किसी भी तरह जमीन बंधक रखने का प्रावधान नहीं है। इस वर्ष एक लाख सिंचाई पंपों में सौर ऊर्जा से कनेक्शन का लक्ष्य रखा गया है। हर किसान को सौर ऊर्जा के उपयोग से जोड़ें। इस वर्ष प्रदेश में कृषि वर्ष मनाया जा रहा है। इसकी कार्ययोजना तत्काल तैयार कराकर उसके अनुरूप गतिविधियाँ संचालित करें। संकल्प से समाधान अभियान में प्राप्त आवेदन पत्रों का तत्परता से निराकरण करें। सीएम हेल्पलाइन तथा लोक सेवा गारंटी योजना में अभी भी बहुत सुधार की आवश्यकता है। सीएम हेल्पलाइन में 50 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण कराएं। मुख्य सचिव ने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग की वृंदावन ग्राम योजना के तहत प्रत्येक ग्रामीण क्षेत्र की विधानसभा में गांव का चयन कर लिया गया है। इसकी कार्य योजना 31 मार्च तक अनिवार्य रूप से प्रस्तुत कर दें। इसमें पंचायतों की स्वयं के स्त्रोत से आय में वृद्धि के भी प्रावधान शामिल करें। एकल नलजल योजनाओं में प्रदेश में 90 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा किया जा चुका है। रीवा संभाग घरों में नल कनेक्शन देने पर विशेष ध्यान दे। हर घर में नल से पानी पहुंचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। पूर्ण नलजल योजनाओं को समारोहपूर्वक ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित करें। वनाधिकार अधिनियम के तहत निरस्त सभी दावों का पुनः पुरीक्षण करके रिपोर्ट प्रस्तुत करें। अब मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण का कार्य पूरा हो गया है। राजस्व अधिकारी लंबित दावों का निराकरण करें। बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि नया शिक्षा सत्र एक अप्रैल से शुरू हो रहा है। शाला जाने योग्य प्रत्येक बच्चे के शाला में प्रवेश, पुस्तकों के वितरण आदि की समुचित व्यवस्था करें। आंगनवाड़ी केन्द्रों में प्री-प्राइमरी शिक्षा प्राप्त कर रहे बच्चों की सूची लेकर उनका स्कूलों में प्रवेश कराएं। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए किए गए प्रयास सराहनीय हैं। बालिका शौचालयों का निर्माण आठ मार्च तक पूरा कराएं। यदि कोई स्कूल जर्जर भवन में संचालित है तो कलेक्टर उसके लिए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था कराएं। बैठक में सकरी बस्तियों में अतिक्रमण हटाकर आवागमन की व्यवस्था तथा सड़क सुरक्षा के संबंध में प्रभावी उपाय के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों में पीड़ति को सात दिवस में राहत राशि उपलब्ध कराएं। राहत राशि के लिए जाति प्रमाण पत्र, मेडिकल रिपोर्ट एवं अन्य अभिलेख उपलब्ध कराकर तथा पीड़ति का बैंक खाता खुलवाकर राहत राशि का वितरण कराएं। कलेक्टर और एसपी राहत राशि के प्रकरणों के निराकरण की नियमित समीक्षा करें। साइबर क्राइम को रोकने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाएं। सभी शस्त्र लाइसेंस एक माह में पोर्टल पर अपलोड करा दें। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में बताया गया कि गत बैठक की तुलना में रीवा संभाग के बिन्दुओं में 82 प्रतिशत सुधार हुआ है। इसमें संभाग प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। कमिश्नर कार्यालय के एनआईसी केन्द्र से कमिश्नर बीएस जामोद, संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उपायुक्त एलएल अहिरवार तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से कलेक्टर प्रतिभा पाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

25 फरवरी के आंदोलन की तैयारी हेतु भारतीय मजदूर संघ कार्यालय में प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक संपन्न

रीवा । कार्यालय भारतीय मजदूर संघ में समय 12:00 बजे दिन से भारतीय मजदूर संघ के प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक प्रारंभ हुई । *बैठक में कहा गया कि भारतीय मजदूर संघ के21वे अखिल भारतीय अधिवेशन 6, 7, 8 फरवरी 2026 पुरी उड़ीसा में लिए गए निर्णय के अनुसार दिनांक 25 फरवरी 2026 को पूरे देश के सभी जिलों में धरना प्रदर्शन आयोजित कर जिला कलेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री एवं श्रम मंत्री भारत सरकार को 8 सूत्रीय मांग पत्र का ज्ञापन सोपा जाना है।

ज्ञापन में भारत सरकार द्वारा श्रम कानूनों में तब्दीली करके चार कोड लागू किए हैं । उसमें प्रथम दो कोड सही है जिसका समर्थन भारतीय मजदूर संघ द्वारा किया गय। लेकिन तीसरे और चौथे कोड में अभी भी त्रुटियां पाई गई है । उस संबंध में अखिल भारतीय मजदूर संघ द्वारा अनेकों बार श्रम मंत्री भारत सरकार से वार्ता एवं पत्राचार किया गया लेकिन उसमें विश्वसनीय कार्यवाही न होने के कारण यह आंदोलन किया जाना आवश्यक हो गया है । इस आंदोलन में भारतीय मजदूर संघ से सम्बंद्ध समस्त यूनियनों के पदाधिकारी ' कार्यकर्ता एवं सदस्य अधिक संख्या में उपस्थित हो । इसके लिए वार्डों में प्रवास करके सबको सूचना दिया जाना है ।आपके माध्यम से भी संघ द्वारा अपने सभी कार्यकर्ताओं से अपील किया जा रहा है कि दिनांक 25 / 2/ 2026 को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस आंदोलन में अपनी श्रम शक्ति का परिचय दे ।आज की बैठक में भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश कार्य समिति सदस्य गजराज तिवारी ' विभाग प्रमुख रमाशंकर तिवारी जिला मंत्री विकास शुक्ला ' जिला कार्यकारी अध्यक्ष अनुभव सिंह चंदेल 'भवन निर्माण के जिला अध्यक्ष विजय दुबे ' कांस्ट्रक्शन मजदूर महासंघ के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष एवं संभागीय महामंत्री बाबूलाल साकेत , कोषाध्यक्ष राम शरण साकेत , नगर संयोजक श्याम लाल यादव ' कार्यालय मंत्री संतोष विश्वकर्मा ' राष्ट्रीय महामंत्री कृषि ग्रामीण बृजेश सिंह ' राजेश पाठक ' अंगिरा मिश्रा राम सुशील चौरसिया ' प्रमोद तिवारी ' राजेंद्र शुक्ला , सुरेश त्रिपाठी ' सहित सभी प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

शहर में यातायात सुधार को लेकर मैनिट की टीम ने शुरू किया व्यापक सर्वे

ननि आयुक्त से मुलाकात कर सर्वे की कार्यप्रणाली और उद्देश्य पर की चर्चा

रीवा। शहर की बढ़ती यातायात समस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) की विशेषज्ञ टीम ने कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान के तहत सर्वे कार्य प्रारंभ कर दिया है। इसी क्रम में टीम ने नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे से मुलाकात कर सर्वे की कार्यप्रणाली और उद्देश्य पर विस्तार से चर्चा की। बैठक संभागीय नगरीय प्रशासन कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में टीम निर्देशक सह प्राध्यापक राहुल तिवारी ने बताया कि रीवा शहर की यातायात व्यवस्था को वैज्ञानिक तरीके से समझने के लिए बहुस्तरीय डेटा संग्रहण किया जा रहा है। शहर के छह प्रमुख स्थानों पर तीन-तीन छात्रों की टीम ट्रैफिक वॉल्यूम काउंट कर रही है, जिससे विभिन्न समयावधियों में वाहनों के दबाव का सटीक आकलन किया जा सके। इसके अतिरिक्त ओरिजिन-डेस्टिनेशन आधारित हाउसहोल्ड सर्वे के माध्यम से नागरिकों की दैनिक यात्रा आदतों, उपयोग किए जाने वाले परिवहन साधनों और तय की जाने वाली दूरी का अध्ययन किया जा रहा है। जंक्शनों पर ट्रैफिक मूवमेंट, पब्लिक ट्रांसपोर्ट के उपयोग, पार्किंग व्यवहार तथा पैदल यात्री सुविधाओं का भी स्थल निरीक्षण किया जा रहा है। टीम द्वारा प्रमुख चौराहों और व्यस्त मार्गों पर पीक आवर के दौरान विशेष अध्ययन कर यातायात प्रवाह, जाम की स्थिति और अवरोधों की पहचान की जा रही है। प्राप्त आंकड़ों के आधार पर भविष्य के लिए व्यवहारिक एवं प्रभावी यातायात सुधार योजना तैयार की जाएगी। नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने सर्वे की सटीकता और उपयोगिता को लेकर विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने पूछा कि स्थानीय परिस्थितियों, प्रमुख जाम बिंदुओं, स्कूल एवं बाजार क्षेत्रों में ट्रैफिक दबाव तथा पार्किंग की वास्तविक स्थिति को किस प्रकार शामिल किया जा रहा है। आयुक्त ने टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि डेटा-आधारित सर्वेक्षण शहर की वास्तविक जरूरतों को समझने में निर्णायक साबित होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि सर्वे में संकरी गलियों में वन-वे सिस्टम की संभावनाओं, सिटी बस सेवा की व्यवहार्यता, ई-रिक्शा व अन्य सार्वजनिक परिवहन साधनों के समन्वय तथा पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित मार्गों पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही पार्किंग प्रबंधन और अतिक्रमण के प्रभाव का समुचित अध्ययन करने के निर्देश भी दिए। उल्लेखनीय है कि मैनिट की टीम में 10 राज्यों के 28 शहरों से आए 44 छात्र शामिल हैं, जो 14 फरवरी से 20 फरवरी तक रीवा के विभिन्न क्षेत्रों में सर्वेक्षण कार्य कर रहे हैं।

बोर्ड परीक्षा के थाने में पेपर लेने पहुंचे कर्मचारी को पड़ा दिल का दौरा, अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

रीवा। जिले में गुरुवार सुबह एक दुखद घटना सामने आई। बोर्ड परीक्षा की ड्यूटी में तैनात एक शासकीय स्कूल के भृत्य की थाने परिसर में अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। जानकारी के मुताबिक, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैकुंठपुर में भृत्य के पद पर पदस्थ आदित्य कुमार नामदेव (निवासी हरदी) गुरुवार सुबह विद्यालय के शिक्षक श्रवण कुमार निगम के साथ बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्र लेने बैकुंठपुर थाना पहुंचे थे।निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्रश्नपत्र प्राप्त किए जा रहे थे, तभी अचानक आदित्य कुमार के सीने में तेज दर्द उठा और वे वहीं खड़े-खड़े जमीन पर गिर पड़े। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना से थाना परिसर में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। साथ आए

शिक्षक ने तत्काल उन्हें स्थानीय अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक, प्रथम दृष्टया मृत्यु का कारण हृदयाघात (दिल का दौरा) प्रतीत हो रहा है। हालांकि, स्पष्ट कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही सामने आएगा। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की सूचना पर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और परिजनों को सूचित कर दिया गया है।उल्लेखनीय है कि इन दिनों माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाएं संचालित हो रही हैं, जिसके चलते प्रश्नपत्रों की सुरक्षा एवं वितरण की जिम्मेदारी प्रशासन और पुलिस की निगरानी में की जाती है। इसी प्रक्रिया के तहत विद्यालय प्रतिनिधि थाने से प्रश्नपत्र प्राप्त करने पहुंचे थे। घटना के बाद विद्यालय परिवार और स्थानीय क्षेत्र में शोक का माहौल है। सहकर्मियों ने आदित्य कुमार को कर्तव्यनिष्ठ और सरल स्वभाव का व्यक्ति बताते हुए उनके आकस्मिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

दूध में गिरी छिपकली से एक ही परिवार के 7 बीमार, संजय गांधी अस्पताल में उपचार जारी

रीवा । जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सौर गांव में बुधवार रात उस समय हड़कंप मच गया, जब दूध पीने के बाद एक ही परिवार के सात सदस्य अचानक बीमार पड़ गए। सभी को उल्टियां और चक्कर आने की शिकायत होने पर परिजन उन्हें तत्काल संजय गांधी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी की हालत सामान्य बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सौर गांव निवासी यादव परिवार के सदस्य बुधवार रात भोजन के बाद दूध का सेवन कर सोने की तैयारी में थे। इसी दौरान परिवार की महिलाओं और बच्चों सहित कुल सात लोगों को अचानक उल्टियां और चक्कर आने लगे। थोड़ी ही देर में सभी की तबीयत बिगड़ने लगी, जिससे घर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। परिवार के सदस्य संदीप कुमार यादव ने बताया कि सभी ने एक ही बर्तन में रखा दूध पिया था। जब एक साथ कई लोगों की तबीयत बिगड़ी तो परिजनों को आशंका हुई कि दूध में कुछ गड़बड़ी हो सकती है। जांच करने पर जिस बर्तन में दूध रखा था, उसमें एक मरी हुई छिपकली पाई गई। आशंका जताई जा रही है कि छिपकली दूध में गिर गई थी और उसी के सेवन से सभी की तबीयत खराब हुई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन रात में ही सभी मरीजों को उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के तहत उल्टी, चक्कर और संभावित फूड पॉयजनिंग के लक्षणों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक दवाएं दीं। डॉक्टरों के अनुसार समय रहते अस्पताल पहुंचने के कारण स्थिति गंभीर नहीं हुई और सभी मरीज अब खतरे से बाहर हैं। उपचार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी भी दी जा रही है।

ग्राम पंचायत पुरास में शासकीय तालाब की भूमि में अवैध रूप से किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई शुरू

रीवा । जिले के गुढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पुरास में शासकीय तालाब में अवैध रूप से अतिक्रमण मामले पर गुरुवार को राजस्व एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई में बुलडोजर चलना शुरू हो गया है हम आपको बता दें कि जबलपुर हाई कोर्ट में अतिक्रमण मामले को लेकर रिपीटेशन दायर की गई थी जिसको संज्ञान में लेते हुए हाई कोर्ट ने कलेक्टर को तलब किया था और यह निर्देश दिया गया था कि अगली पेशी 24 फरवरी को सभी दस्तावेजों को लेकर उपस्थित होना है इसके बाद कलेक्टर ने संज्ञान लेते हुए गुढ़ तहसीलदार को निर्देशित किया कि तालाब की भूमि में जितने भी अतिक्रमणकारी हैं सभी को नोटिस देकर अतिक्रमण हटाया जाए। कलेक्टर के आदेशों का पालन करते हुए तहसीलदार ने आज गुरुवार से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

क्या कहते हैं कार्यवाही से प्रभावित लोग प्रशासन की इस कार्रवाई से प्रभावित लोगों का कहना है कि प्रशासन द्वारा हम लोगों को बहुत कम समय दिया था हम लोग पूरी तरह से अपना समान व्यवस्थित नहीं कर पाया था इसलिए हम लोगों को थोड़ा दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है और प्रशासन द्वारा की जा रही कार्रवाई में पक्षपात न किया जाए जितने लोगों को नोटिस मिला है उनका एक समान रूप से अतिक्रमण हटाया जाए ताकि किसी का मन आहत न हो। कार्रवाई के दौरान मौजूद तहसीलदार अरुण यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि हाई कोर्ट के निर्देश का पालन किया जा रहा है जितने अतिक्रमण कारियो को नोटिस मिली है।एक-एक करके कार्रवाई की जा रही है किसी के साथ पक्षपात नहीं किया जाएगा आज की कार्रवाई सांम 6:00 बजे बंद कर दी गई है

कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

उपस्थित पंजी सहित अन्य नस्तियाँ की जप्त

रीवा। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया तथा उपस्थिति पंजी एवं अन्य नस्तियाँ जप्त की। शिल्पी प्लाजा स्थित कार्यालय में निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कार्यालय के विभिन्न कक्षों का निरीक्षण किया तथा उपस्थित कर्मचारियों से उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों के संपादन की जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने शिक्षकों एवं अन्य स्टाफ की विभागीय जांच, सतर्कता शिकायतों के संबंध में की जा रही कार्यवाही तथा रमसा में विभिन्न योजनाओं से प्राप्त राशि व प्रदाय राशि की फीडिंग की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने 45 शिक्षकों के लंबित वेतन भुगतान पर नाराजगी व्यक्त की तथा कार्यवाही कर भुगतान करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने शिक्षकों एवं प्राचार्यों के क्रमोन्नति समयमान वेतनमान सहित अन्य स्वत्वों के प्रकरणों से संबंधित नास्तियाँ का निरीक्षण किया तथा कतिपय नस्तियाँ जप्त की। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में संलग्न कर्मचारियों के संलग्नीकरण आदेश प्रस्तुत करने तथा कार्य विभाजन अनुसार कार्य करने वाले कर्मचारियों का विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्थापना, वित्त एवं अन्य विभागीय योजनाओं के संबंधित नस्तियों का अवलोकन किया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर तथा कोषालय अधिकारी पुष्पेन्द्र शुक्ल उपस्थित रहे।